

## Jindal Institute of Behavioural Sciences creates history with over 100,000 participants trained under flagship programmes



New Delhi [India], July 1 (ANI/OP Jindal University): Over one lakh participants- which includes teachers, students, corporate professionals, and government officials- have been trained under various pro-bono training programmes offered by the Jindal Institute of Behavioural Sciences (JIBS), an official statement released by the Institute stated here on Monday.

Since its inception in 2014, Jindal Institute of Behavioural Sciences (JIBS) has conducted hundreds of Teacher Training Programmes (TTPs), Counselling sessions, Parenting seminars, and Professional Developmental programmes across the world- that are aimed to raise awareness and strengthen knowledge and understanding of behavioral competencies. Ever since the pandemic ravaged the globe, the mode of training has become online.

Elated at achieving the feat, Professor (Dr.) Sanjeev P. Sahni, Principal Director of the Jindal Institute of Behavioural Sciences (JIBS) said that the institute would continue to strive for finding innovative solutions to the pedagogical, societal and professional roadblocks arising out of behavioural issues. “Seven years back when we started the institute little did we know we will have such an outreach both nationally as well as

internationally. We have not only trained teachers, students and professionals but have also been at the forefront of alleviating various societal issues through our community outreach programmes,” Dr. Sahni said.

After coronavirus pandemic restricted physical learning exchanges across most of the educational institutes in the world, Jindal Institute of Behavioural Sciences (JIBS) continued to impart trainings through virtual medium which mostly focus on mental health, emotional well-being and stress management. “COVID-19 outbreak did momentarily become a roadblock but we quickly shifted to online medium to impart training to our stakeholders. The primary focus of our online sessions has been to alleviate the stress associated with the pandemic more effectively and rapidly,” he added.

The online training sessions conducted by the JIBS during the coronavirus pandemic have mostly dealt with psychological treatment of anxiety disorders, depression, and related disorders- especially in the context of global health emergency.

The programmes are designed based on various psychometric tests and tools, that can be used to understand the strengths and weaknesses in a bid to reinforce interventions on the basis of the assessment results, to optimize growth.

It is pertinent to mention that Jindal Institute of Behavioural Sciences (JIBS) is a value-based research Institute of O.P. Jindal Global and a member of the Academic Council on the United Nations.

This story is provided by OP Jindal University. ANI will not be responsible in any way for the content of this article. (ANI/OP Jindal University)

# जिब्स ने रचा इतिहास : एक लाख से अधिक प्रतिभागियों को किया प्रशिक्षित



जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज संस्थान द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एक लाख से अधिक प्रतिभागियों- जिसमें शिक्षक, छात्र, कॉर्पोरेट पेशेवर और सरकारी अधिकारी शामिल हैं- को जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज (जिब्स) द्वारा पेश किए गए विभिन्न निः शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत प्रशिक्षित किया गया है,

2014 में अपनी स्थापना के बाद से, जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज (जेआईबीएस) ने दुनिया भर में सैकड़ों शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीटीपी), परामर्श सत्र, पेरेटिंग सेमिनार और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम आयोजित किए हैं- जिनका उद्देश्य व्यवहार दक्षताओं के बारे जागरूकता बढ़ाने, जानकारी और समझ को मजबूत करना है। ।

जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज (जिब्स) के प्रधान निदेशक प्रोफेसर डॉ. संजीव पी. साहनी ने इस उपलब्धि को हासिल करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान व्यवहार संबंधी मुद्दों से उत्पन्न शैक्षणिक, सामाजिक और व्यावसायिक बाधाओं के लिए अभिनव समाधान खोजने के लिए प्रयास करना जारी रखेगा।

डॉ साहनी ने कहा कि “सात साल पहले जब हमने संस्थान शुरू किया था, तो हमें नहीं पता था कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी इतनी पहुंच होगी। हमने न केवल शिक्षकों, छात्रों और पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है, बल्कि हमारे सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न सामाजिक मुद्दों को कम करने में भी सबसे आगे रहे हैं। “

कोरोनावायरस महामारी के बाद दुनिया के अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में शारीरिक शिक्षा का आदान-प्रदान प्रतिबंधित है लेकिन जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज ने वर्चुअल माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक कल्याण और तनाव प्रबंधन पर केंद्रित प्रशिक्षण देना जारी रखा है।

कोरोनावायरस महामारी के दौरान जिब्स द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्रों में विशेष रूप से वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल के संदर्भ में चिंता विकारों, अवसाद और संबंधित विकारों के मनोवैज्ञानिक उपचार पे केन्द्रित रहा

यह उल्लेख करना उचित है कि जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी का एक महत्वपूर्ण शोध संस्थान है और संयुक्त राष्ट्र के एकडेमिक परिषद का सदस्य है।